सातवीं लघु सिंचाई जनगणना रिपोर्ट जारी: UP शीर्ष पर, 8 राज्यों में गिरावट; छठी जनगणना से तुलना (25 सितंबर 2026)

कृषि और जल संसाधन | समाचार संदर्भ: 25 सितंबर 2026 (सातवीं लघु सिंचाई जनगणना रिपोर्ट जारी); तुलना छठी जनगणना (2017-18) से | प्रकाशित: 22 अक्टूबर 2026

25 सितंबर 2026 को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने नौवें इंडिया इंटरनेशनल वॉटर वीक (भारत मंडपम, नई दिल्ली) के समापन सत्र में **सातवीं लघु सिंचाई जनगणना (MIC) रिपोर्ट** (खंड II, भाग II) जारी की — संदर्भ वर्ष **2023-24**; इसमें जनगणना-कार्य पूरा कर चुके **20 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों** के आंकड़े शामिल हैं (PTI, 19 अक्टूबर 2026)। उत्तर प्रदेश **44.29 लाख** योजनाओं के साथ देश में शीर्ष पर; आठ राज्यों में योजनाएँ घटीं। छठी जनगणना (संदर्भ वर्ष 2017-18) के प्रमुख निष्कर्ष तुलना के लिए नीचे दिए गए हैं।

लघु सिंचाई योजनाएँ क्या हैं?

भूजल या सतही जल पर आधारित वे सिंचाई योजनाएँ जिनकी व्यक्तिगत **सम्वर्ध्य आदेश क्षेत्र (CCA) 2,000 हेक्टेयर तक** हो, लघु सिंचाई योजनाएँ कहलाती हैं। छह प्रमुख श्रेणियाँ: कुएँ (dugwell, 15 मीटर तक), उथले ट्यूबवेल (35 मीटर तक), मध्यम ट्यूबवेल (70 मीटर तक), गहरे ट्यूबवेल (70 मीटर से अधिक), सतही-प्रवाह (surface flow) और सतही-उत्थापन (surface lift) योजनाएँ (PTI, 19 अक्टूबर 2026)। बड़ी और मध्यम परियोजनाओं के कमांड से बाहर के और सूखा-प्रवण क्षेत्रों में कृषि-आजीविका की रीढ़ यही योजनाएँ हैं।

जनगणना का इतिहास और पद्धति

पहली MIC संदर्भ वर्ष **1986-87** के साथ हुई; छठी संदर्भ वर्ष **2017-18** के साथ — 32 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में पूर्ण हुई (PIB, 26 अगस्त 2023)। ब्लॉक-स्तर तक के सूक्ष्म आंकड़े जुटाने में वर्षों लगते हैं, इसलिए रिपोर्टें वर्तमान स्थिति की प्रत्यक्ष तस्वीर नहीं होतीं। छठी जनगणना के साथ ही **जल निकायों की पहली जनगणना** भी संचालित हुई (PIB, 23 अप्रैल 2023)। सातवीं MIC (संदर्भ वर्ष 2023-24) अप्रैल 2025 में शुरू हुई — मोबाइल ऐप से डिजिटल संकलन, अभिलेखकों ने प्रत्येक योजना का अक्षांश-देशांतर और फोटो दर्ज किए; दूसरी जल निकाय जनगणना साथ-साथ (PTI, 19 अक्टूबर 2026; The Hindu, 13 सितंबर 2026)।

छठी MIC (2017-18) के प्रमुख निष्कर्ष — तुलना हेतु

(स्रोत: जल शक्ति मंत्रालय / PIB विज्ञप्ति, 26 अगस्त 2023 — छठी MI जनगणना रिपोर्ट पर आधारित)

- **कुल योजनाएँ: 2.314 करोड़** (23.14 मिलियन) — पाँचवीं जनगणना से ~14.2 लाख अधिक (PIB, 26 अगस्त 2023)।
- **स्वामित्व:** 96.6% निजी (भूजल योजनाओं में 98.3%, सतही जल में 64.2%); पहली बार लैंगिक आंकड़े — व्यक्तिगत स्वामित्व की 18.1% योजनाएँ महिलाओं के पास (PIB, 26 अगस्त 2023)।
- **भूजल का दबदबा:** 2.193 करोड़ (94.8%) भूजल, 12.1 लाख (5.2%) सतही-जल योजनाएँ।
- **राज्य:** उत्तर प्रदेश सबसे आगे, फिर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु (PIB, 26 अगस्त 2023)।

- **उपयोग-स्थिति:** 97.0% योजनाएँ 'उपयोग में', 2.1% अस्थायी रूप से और 0.9% स्थायी रूप से बंद (PIB, 26 अगस्त 2023)।

सातवीं MIC (2023-24): राज्य-वार प्रमुख निष्कर्ष

- **राज्य-चित्र (6वीं → 7वीं):** UP **44.29 लाख** (39.76 लाख से, +11.38% — देश में सर्वाधिक; 99.43% भूजल; 40.18 लाख उपयोग में); महाराष्ट्र **38.28 लाख** (+7.15%); तमिलनाडु 20.81 लाख (-1.63%); तेलंगाना 18.41 लाख (+9.6%); आंध्र प्रदेश 13.08 लाख (+9.84%); राजस्थान 13.77 लाख (भूजल -7.6%); पंजाब 11.58 लाख (घटी); केरलम 71,799 (-22.44%); झारखंड 2.17 लाख (घटी); मणिपुर, मिज़ोरम, त्रिपुरा में भी गिरावट — कुल **8 राज्यों में योजनाएँ घटीं** (PTI, 19 अक्टूबर 2026)।
- **उपयोग-बाधाएँ:** UP में उपयोगरत योजनाओं में 37,266 अल्प-उपयोगित (underutilised); महाराष्ट्र में 7.42 लाख; भूजल-संवर्धन में UP की 1.09 लाख और महाराष्ट्र की 2.75 लाख योजनाएँ उपयोग में; पेयजल के लिए भी उपयोग — UP में 3.46%, महाराष्ट्र में 13.15% योजनाएँ (PTI)।
- **कर्नाटक:** क्षेत्र-कार्य अगस्त 2026 में पूर्ण — 14.18 लाख कुएँ/बोरवेल, 38,960 जल निकाय, 77,573 सतही योजनाएँ मैप हुईं; 30,671 गांव, 300 नगरीय निकाय कवर (The Hindu, 13 सितंबर 2026)।
- **जम्मू-कश्मीर:** 13,871 योजनाएँ (6वीं में 13,112); 74.83% भूजल; 95% उपयोग में, पर 2,135 उपयोगरत योजनाएँ अल्प-उपयोगित — भंडारण, बिजली/ईंधन की अनुपलब्धता, चैनल-क्षति प्रमुख कारण; 84.61% बिना बाधा चल रहीं (The Tribune, 5 अक्टूबर 2026)।

सावधानी: छठी (2017-18) और सातवीं (2023-24) जनगणना के आंकड़े अलग संदर्भ-वर्षों के हैं — राज्य-तुलना समान संस्करण के भीतर ही करें; 25 सितंबर को जारी खंड II भाग II में केवल 20 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं, शेष की रिपोर्ट आनी बाकी है।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रारंभिक परीक्षा (PT): MIC — जल शक्ति मंत्रालय; पहली 1986-87; छठी 2017-18 (23.14 मिलियन योजनाएँ, 94.8% भूजल, 96.6% निजी स्वामित्व, 97.0% उपयोग में); सातवीं 2023-24, अप्रैल 2025 से, मोबाइल-ऐप डिजिटल संकलन; जल निकाय जनगणना — पहली 6वीं के साथ, दूसरी 7वीं के साथ; CCA ≤ 2,000 हेक्टेयर; 6 श्रेणियाँ; 7वीं रिपोर्ट 25 सितंबर 2026 (C R पाटिल, IIWW-9); UP सर्वाधिक (44.29 लाख)।

मुख्य परीक्षा GS-1/GS-3: भूजल-निर्भरता (94.8%) और निजी स्वामित्व (96.6%); सिंचाई की ऊर्जा-लागत/सब्सिडी निहितार्थ; सूक्ष्म-सिंचाई (Per Drop More Crop) और जल-उपयोग दक्षता; अल्प-उपयोगित योजनाएँ — परिसंपत्ति-रखरखाव प्रश्न; डेटा-आधारित जल-शासन (जियो-टैगिंग)।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"लघु सिंचाई जनगणना के निष्कर्ष भारत के भूजल-संकट और सिंचाई-विद्युतीकरण की दिशा पर क्या प्रकाश डालते हैं? निजीकृत भूजल-निर्भर सिंचाई के निहितार्थों की समीक्षा कीजिए।" (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए) | 15 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: MIC संरचना (6 श्रेणियां, CCA ≤2,000 हे.)

मुख्य भाग में: निष्कर्ष — 94.8% भूजल, 96.6% निजी स्वामित्व, 97.0% उपयोग में; निहितार्थ — जल-स्तर पतन, ऊर्जा-सब्सिडी, ऊर्जा-जल-खाद्य nexus

निष्कर्ष में: सूक्ष्म-सिंचाई, भूजल-संवर्धन (UP/महाराष्ट्र की रिचार्ज-योजनाएँ), अल्प-उपयोगिता दूर करना, डेटा-आधारित नियोजन (7वीं MIC डिजिटल)।

स्रोत

- [प्राथमिक] PIB: जल शक्ति मंत्रालय — छठी लघु सिंचाई जनगणना रिपोर्ट विज्ञप्ति, 26 अगस्त 2023
- [प्राथमिक] PIB: जल निकायों की पहली जनगणना (छठी MI जनगणना के साथ संचालित), 23 अप्रैल 2023
- [प्रेस] PTI (Swadesi): Minor irrigation schemes rise in several states, decline in 8: Census, 19 अक्टूबर 2026
- [प्रेस] The Hindu: 14 lakh groundwater irrigation sources identified in Karnataka, 13 सितंबर 2026
- [प्रेस] The Tribune: 2,135 in-use minor irrigation schemes underutilised in J&K: Ministry report, 5 अक्टूबर 2026
- [प्राथमिक] जल शक्ति मंत्रालय: सातवीं लघु सिंचाई जनगणना और दूसरी जल निकाय जनगणना पोर्टल
- [प्राथमिक] PIB: नौवां इंडिया इंटरनेशनल वॉटर वीक समापन सत्र (जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल), 25 सितंबर 2026

याद रखें: सातवीं MIC (संदर्भ वर्ष 2023-24) रिपोर्ट 25 सितंबर 2026 को जारी — UP 44.29 लाख योजनाओं के साथ शीर्ष पर, 8 राज्यों में गिरावट; अल्प-उपयोगिता चिंता बनी। छठी MIC (2017-18) से तुलना: 2.314 करोड़ योजनाएँ, 94.8% भूजल, 96.6% निजी स्वामित्व — भूजल-निर्भरता दोनों जनगणनाओं की साझा चेतावनी।